IS 3735:2025
Canvas Shoes, Rubber Sole — Specification (Third Revision)

This Indian Standard outlines the technical requirements, testing methods, and quality parameters for canvas shoes with rubber soles, commonly used for sports, physical training, and general wear.

Updated as the third revision, it incorporates all previous amendments, **aligns test methods with updated IS/ISO standards**, and **aligns the requirements with current manufacturing practices**. The standard **introduces two types of canvas shoes—Type 1 and Type 2**—and prescribes detailed requirements for materials such as **upper fabrics, linings, bindings, laces, eyelets, and rubber components.** Fabric strength parameters like breaking load, ends and picks per decimetre, and colour fastness are clearly specified to ensure durability and consistent performance. Rubber components, including soles, heels, foxing, and toe-caps, must meet strict criteria for hardness, flexing resistance, tensile strength, ageing resistance, abrasion, and slip performance.

Construction provisions cover stitching quality, reinforcement, foxing dimensions, toe-cap design, and overall workmanship to ensure robust, comfortable footwear. Mandatory performance tests—such as adhesion, consolidation, seam strength, slip resistance, and banned azo dye detection — ensure user safety and product reliability. Mass limits are also prescribed for uniformity across sizes.

This further details packing and marking requirements, including size, type, and manufacturer identification, along with eligibility for BIS Standard Mark certification. Comprehensive sampling criteria are provided to verify conformity within consignments. Through these measures, the standard strengthens quality control, enhances user safety, and promotes uniform, dependable manufacturing of canvas shoes across the industry.

IS 3735:2025
रबड़ तले के कैनवस जूते — विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)

यह भारतीय मानक खेल, शारीरिक प्रशिक्षण तथा सामान्य उपयोग में आने वाले रबर तले वाले कैनवस जूतों के लिए तकनीकी आवश्यकताओं, परीक्षण विधियों तथा गुणवत्ता मानकों का विवरण प्रस्तुत करता है।

तीसरे संशोधन के रूप में अद्यतन इस मानक में सभी पूर्व संशोधनों को सम्मिलित किया गया है, परीक्षण विधियों को अद्यतन IS/ISO मानकों के अनुरूप बनाया गया है तथा आवश्यकताओं को वर्तमान विनिर्माण प्रथाओं के साथ समन्वित किया गया है। मानक में कैनवास जूतों के दो प्रकार—प्रकार 1 और प्रकार 2—का प्रावधान किया गया है तथा अपर फ़ैब्रिक, अस्तर, बाइंडिंग, फीते, आईलेट्स और रबर अवयवों जैसी सामग्रियों के लिए विस्तृत आवश्यकताएँ निर्दिष्ट की गई हैं। फ़ैब्रिक की मजबूती के मापदंड, जैसे ब्रेकिंग लोड, प्रति डेसीमीटर सिरों और पिक्स की संख्या, तथा रंग स्थायित्व, टिकाऊपन और समरूप प्रदर्शन सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट रूप से निर्धारित किए गए हैं। रबर अवयवों—जैसे सोल, हील, फॉक्सिंग और टो-कैप—के लिए कठोरता, फ्लेक्सिंग प्रतिरोध, तन्यता शक्ति, वृद्धावस्था प्रतिरोध, घर्षण तथा फिसलन प्रदर्शन से संबंधित कठोर मानदंड तय किए गए हैं।

निर्माण संबंधी प्रावधानों में सिलाई गुणवत्ता, सुदृढ़ीकरण, फॉक्सिंग के आयाम, टो-कैप की संरचना तथा संपूर्ण कारीगरी शामिल है, जिससे जूते मजबूत और आरामदायक बनें। अनिवार्य प्रदर्शन परीक्षण—जैसे अधेशन, कंसोलिडेशन, सीम की मजबूती, फिसलन प्रतिरोध तथा प्रतिबंधित एज़ो डाई का परीक्षण—उपभोक्ता सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हैं। आकारों की समानता हेतु भार सीमा भी निर्दिष्ट की गई है।

मानक में पैकिंग और मार्किंग संबंधी आवश्यकताओं का भी विवरण है, जिसमें आकार, प्रकार और निर्माता की पहचान के साथ BIS मानक चिह्न के लिए पात्रता शामिल है। खेपों में अनुरूपता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक नमूना-ग्रहन मानदंड भी निर्धारित हैं। इन सभी उपायों के माध्यम से यह मानक गुणवत्ता नियंत्रण को मजबूत करता है, उपयोगकर्ता सुरक्षा बढ़ाता है तथा कैनवस जूतों के समान और विश्वसनीय विनिर्माण को प्रोत्साहित करता है।